बिरली बीमारियों का सामूहिक निदान

आपको कोई ऐसी बीमारी हो जाती है, जो बहुत बिरली है, तो संभव है कि अधिकांश डॉक्टरों ने अपने चिकित्सकीय जीवन में शायद इसे देखा तक न हो। ऐसे में इस बीमारी का निदान कठिन होता है और मरीज़ तरह-तरह के इलाज आज़माता रहता है। अब इस समस्या को हल करने के लिए एक नई पहल की जा रही है जिसे सामूहिक निदान कहा जा सकता है।

16 अप्रैल के दिन एक वेब सेवा शुरू की गई है जिसका नाम है क्राउडमेड (CrowdMed) इसमें लोगों के बड़े समूह का उपयोग रोग निदान में किया जाता है। क्राउडमेड में कोई भी सहभागी बन सकता है और बीमारियों के विश्लेषण में हाथ बंटा सकता है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह व्यक्ति किस पृष्ठभूमि से है या उसे किस तरह का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। प्रत्येक सहभागी को कुछ पॉइन्ट्स दिए जाते हैं। उन्हें करना यह होता है कि बीमारियों की सुझाई गई सूची में से चयन करें कि किसी व्यक्ति के लक्षणों के साथ किस बीमारी के लक्षण सर्वाधिक मेल खाते हैं। सहभागियों के जवाबों के आधार पर भविष्यवाणियों की एक सूची बन जाती है, जिसमें प्राथमिकता का एक क्रम होता है। इसके आधार पर कई सूत्रों का उपयोग करके यह पता लगाया जाता है कि किस निदान के सही होने की संभावना कितनी है।

इस तरीके के शुरुआती परीक्षणों में 20 मामलों का विश्लेषण किया गया था। करीब 700 सहभागियों ने भाग लिया था और तीन सर्वोच्च प्राथमिकता के अपने-अपने सुझाव दिए थे। एक मामले में एक हफ्ते के अंदर 100 सहभागियों ने मिलकर सही निदान कर लिया था।

इस पहलकदमी के पीछे विचार यह है कि बिरली बीमारियों के मामले में कई बार आम लोगों के पास कहीं अधिक अनुभव होता है और वे सामूहिक विश्लेषण के ज़रिए सही निदान तक पहुंचने में मददगार हो सकते हैं।

जब सहभागियों के विश्लेषण के आधार पर तीन सर्वोच्च संभावनाओं की सूची बन जाती है तो क्राउडमेड मरीज़ को सलाह देता है कि वह इस सूची के आधार पर चिकित्सक से परामर्श करे।

इसके अलावा एक प्रयास और किया गया है जिसका नाम है फाइंडज़ेब्रा (FindZebra)। इसमें व्यक्ति बिरली बीमारियों के एक डैटाबेस में खोज कर सकता है। यह डैटाबेस कुछ शोधकर्ता मिलकर बनाते हैं और लगातार अपडेट करते रहते हैं। इससे डॉक्टरों व अन्य सम्बंधित लोगों को भी काफी मदद मिलती है। ***(स्रोत फीचर्स)***

वर्ग पहेली 104 का हल

अ	क्षां	श		ग		ऑ	र्ग	न
क्रि		ल	व	ण		क्सी		भ
य		भ		ना	भि	क		च
			शो			र	फ्ता	र
		पृ	थ	क्क	र	ण		
प्र	को	ष्ठ			बी			
ति		त	क	ली		सु		प्र
वा		ना		ट	र्रा	ना		ह
द	बा	व		र		मी	ट	र